Title: Demand to solve the drinking water problem of Jaipur city by completing the Bisalpur Project.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, भारत सरकार ने एक सर्वे करवाया था। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार जयपुर शहर के गांधी नगर क्षेत्र में 200 पी.पी.एम., सिविल लाइन क्षेत्र में 125 पी.पी.एम., जवाहर नगर क्षेत्र में 150 पी.पी.एम. फ्लोराइड की मात्रा पानी में आ गई है जो बहुत खतरनाक है। विराटनगर में 1100 पी.पी.एम. की मात्रा पानी में पाई गई है। जयपुर शहर के नागरिकों को व कच्ची बस्तियों के निवासियों को एक समय भी पूरा पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए अभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। जयपुर शहर में अमानीशाह के नाले से 170 ट्यूबवैलों से 30 लाख टन गैलन पानी रोजाना मिल रहा है। यदि इसी स्पीड से जमीन से पानी निकलता रहा तो 2004 में जयपुर के आसपास 26 किलोमीटर में कहीं पानी नहीं रहेगा। इस समय 42 मीटर पानी नीचे जा चुका है। जयपुर के लिए बिसलपुर योजना से पानी सप्लाई करने की योजना बनी और इस पर तेजी से काम चालू हुआ परन्तु अभी काम बंद है। जयपुर शहर को एकमात्र रामगढ़ बांध ही सप्लाई करने वाला स्रोत है। इसकी सफाई जिस में मिट्टी जमा हो गई है, खोद कर सफाई करना अनिवार्य है। यदि बिसलपुर योजना को शीघ्र पूरा नहीं दिया गया तो पानी की भयंकर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। विश्व बैंक इसके लिए पैसा देने को तैयार है। भारत सरकार विश्व बैंक से धन लेकर राज्य सरकार को कहे कि वह भी बिसलपुर योजना के लिए विश्व बैंक से सलाह कर और धन लेकर जयपुर शहर की पेय जल समस्या का समाधान करे वरना जयपुर शहर के लोग बिना पानी के तरस जाएंगे। इस गम्भीर समस्या की ओर भारत सरकार शीघ्र ध्यान दे।